गवर्नर/गवर्नर-जनरल/वायसराय (1757-1950)

जब ईस्ट इण्डिया कंपनी का क्षेत्र बहुत अधिक विस्तारित हो गया तब लंदन में स्थित बोर्ड ऑफ कंट्रोल/डायरेक्टर ने भारत में प्रशासन करने के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति किया, जिसको गवर्नर कहा गया और यह बंगाल में सर्वप्रथम नियुक्त हुआ, क्योंकि तीनों प्रेसीडेंसी में बंगाल सबसे महत्वपूर्ण था।

- 1773 के अधिनियम के द्वारा बंगाल के गवर्नर की गवर्नर जनरल (महाराज्यपाल) बना दिया गया।
- 1833 के अधिनियम के द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- 1858 के अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को वायसराय कहा गया।

जब गवर्नर जनरल कार्यपालिका के प्रति उत्तदायी होता था, तब उसे गवर्नर जनरल, कहा गया अर्थात् भारम में वह गवर्नर जनरल के रूप में शासन करता था, लेकिन वही व्यक्ति ब्रिटिश संसद के प्रति या व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होता था, तब उसको वायसराय कहा जाता था।

- बंगाल का प्रथम गवर्नर – लॉर्ड क्लाइव/रॉबर्ट क्लाइव
- बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल– वारेन हेस्टिंग्स
- भारत का प्रथम गवर्नर जनरल – लॉर्ड विलियम बेंटिक
- भारत के प्रथम वायसराय – लॉर्ड कैनिंग
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल/वायसराय – लॉर्ड लुई माउण्टबेटन
- स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल/वायसराय – सी.राज गोपालाचारी
- बंगाल के गवर्नर:–
- स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल/वायसराय – सी.राज गोपालाचारी।
- ईस्ट इण्डिया कम्पनी का स्वरूप जब व्यापारिक से राजनीतिक हुआ और इनके क्षेत्र का विस्तार हुआ तब बंगाल के क्षेत्र में गवर्नर के नाम से एक अधिकारी की नियुक्ति किया गया।

लॉर्ड क्लाइव (1757-1760):

- यह बंगाल का प्रथम गवर्नर था।
- यह भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक था।
- इसने भारत/बंगाल में राजनैतिक सत्ता की स्थापित किया था।

लॉर्ड क्लाइव सर्वप्रथम ब्रिटिश सेना मे रंसोईया के रूप में शामिल हुआ था और अपनी योग्यता के बल पर सेनापति बन गया। मद्रास में इसकी नियुक्ति हुआ था। कर्नाटक की राजधानी अरकाट पर अधिकार करके इसने अपनी योग्यता को साबित कर दिया।

- इसने 1757 में प्लासी का युद्ध और 1759 में वेदरा के युद्ध का नेतृत्व किया था।

Ranjeet Yadav Sir

☞ इसे स्वर्ग से उत्पन्न गवर्नर कहा गया है।

☞ इसने भारत में ब्रिटिश प्रभु सत्ता को स्थापित किया, जिससे 1947 में मुक्ति मिला।

हालवेल (1760): यह अस्थायी गर्वनर थे।

☞ यह एकमात्र व्यक्ति है, जिन्होने ब्लैक होल की घटना के बारे में उल्लेख किया है।

वैसीटार्ट (1760-1765): इसके समय मे 1761 में पानीपत का तृतीय युद्ध और 1764 में बक्सर का युद्ध हुआ था।

लॉर्ड क्लाइव (1765-1767)

☞ यह प्रथम व्यक्ति है, जिसको दूबारा गवर्नर बनाकर भेजा गया।

इसने 1765 में शाहआलम-II के साथ और शुजाउद्दौला के साथ इलाहाबाद की संधि संपन्न किया था। क्लाईव ने मु रजा खान को बंगाल/मुर्शिदाबाद का तथा राजा सिताब राय को बिहार का उप-दीवान नियुक्त किया।

☞ द्वैध शासन (1767-1772) द्वैध शासन अर्थात दीवानी और निजामत का अधिकार अंग्रेजो के पास सुरक्षित हो जाना। निजामत अर्थात् रक्षा से संबंधित मामला और विदेश विभाग से संबंधित प्रशासन को इसके अन्तर्गत शामिल किया गया है।

☞ बंगाल में द्वैध शासन को लॉर्ड क्लाइव ने लागू किया था।

☞ बारेन हेस्टिंग्स ने 1772 में द्वैध शासन को समाप्त किया था।

☞ 1919 के अधिनियम द्वारा सर्वप्रथम प्रांतों में द्वैध शासन को लगाया गया।

☞ 1935 के अधिनियम द्वारा केन्द्र में द्वैध शासन को लगाया गया।

बल्सर्ट (1767-1769) - इसके समय में प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध संपन्न हुआ।

☞ कार्टियर (1769-1772) इसके समय में बंगाल में भयंकर अकाल पड़ गया और सरकार के तरफ से किसी भी प्रकार का राहत कार्य संपन्न नहीं किया गया। परिणामस्वरूप आलोचना होने लगा इसलिए कार्टियर को वापस बुलाया गया और वारेन हेस्टिंग्स को गवर्नर बनाकर भेजा गया।

बंगाल के गवर्नर जनरल

☞ ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना के बाद ब्रिटेन के व्यापारियों ने सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। वह दबाव ईस्ट इण्डिया कंपनी पर नियंत्रण करने से था। परिणामस्वरूप ब्रिटेन की सरकार ने एक अधिनियम 1773 में पारित किया और इसी अधिनियम के द्वारा बंगाल के गवर्नर को गवर्नर जनरल/महाराज्यपाल बना दिया गया। इसके अन्तर्गत पद वृद्धि के साथ-साथ अधिकार एवं कार्य में वृद्धि किया गया।

वारेन हेस्टिंग्स (1772-1785):-

Ranjeet Yadav Sir

☞ यह 1773 के अधिनियम के द्वारा 1774 को बंगाल के गवर्नर से गवर्नर जनरल बना दिये गए। इन्होने सभी क्षेत्रों में कार्य को संपन्न किया था।

☞ प्रशासनिक कार्य- इसने प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया था, जिसका संक्षिप्त वर्णन निमनलिखित है-

☞ यह बंगाल के प्रथम गवर्नर जनरल थे। इन्होने बंगाल में द्वैध शासन को 1772 में समाप्त कर दिया था।

☞ इसने अवध को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रकोष्ठ की नीति/घेरे की नीति/रिंगफैस की नीति को लागू किया था।

इलाहाबाद की संधि टुटने के बाद इसने शाह आलम द्वितीय से कड़ा एवं इलाहाबाद का क्षेत्र वापस लेकर अवध के हाथों 50 लाख रूपयें में बेच दिया। साथ ही मुगल बादशाह की 26 लाख रूपये पेंशन की भी समाप्त कर दिया।

☞ सामाजिक कार्य- इस क्षेत्र में भी इसेन कार्य किया जैसे-

☞ इसने 1781 में मुस्लिम लड़कियों के लिए एक मदरसा को स्थापित किया।

इसके समय में मनुस्मृति, भागवत् गीता और अभिज्ञानशाकुंतलम् आदि ग्रंथ का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया गया।

☞ विलियम विलकिन्स ने इसके ओदश पर मनुस्मृति का अंग्रेजी भाषा में ए-कोड ऑफ जैन्टू लॉ के नाम से अनुवाद किया।

☞ 1784 में सर विलियम जोन्स ने द-एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (कलकत्ता) की स्थापना कलकत्ता में किया था।

☞ आर्थिक कार्य- इसने आर्थिक क्षेत्र में भी सुधार का कार्य किया था और राजकोष को बढ़ाने के साथ-साथ पूर्ण रूप से आर्थिक नियंत्रण भी स्थापित किया। अब पटना, हुगली, मुर्शीदाबाद, ढाका और कलकत्ता से कर वसूल किया जाने लगा। इसने 1774 में कलकत्ता में एक राजस्व विभाग को भी स्थापित कर दिया।

☞ अन्य कार्य- इसने अवध के बेगम को धन देने के लिए प्रताड़ित किया, जिसके लिए आलोचना किया गया है। इसने बंगाल के ब्राह्मण नंदकुमार को झुठे मुकदमें से फसाकर फाँसी की सजा दिला दिया, जिसके लिए आलोचना का पात्र बना।

☞ यह प्रथम गवर्नर जनरल है, जिनपर महाभियोग लाया गया था।

☞ लॉर्ड विलियम विलकिंस ने भागवत गीता और हितोपदेश का भी अंग्रेजी भाषा मे अनुवाद किया था।

☞ मैकफर्सन (1785-1786) यह अस्थायी गवर्नर जनरल था। इसने संपूर्ण भारतीय ब्रिटिश साम्राज्य

Ranjeet Yadav Sir

को 23 जिला में विभिक्त करके शासन किया था।

लॉर्ड कार्नवालिस (1786-1793)

- यह स्थायी गवर्नर के रूप मे नियुक्त हुए।
- इसको भारत में सिविल सेवा का जनक माना जाता है।
- इसको भारत में पुलिस सेवा का जनक माना जाता है।

भारतीय सिविल सेवा की 'इस्पात का चौखट' कहा गया है। इसने न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कार्नवालिस कोड को लागू किया, जो पृथक्करण पर आधारित था।

- स्थायी बंदोबस्त (1793) इसका जनक लॉर्ड कार्नवालिस था। इस व्यवस्था को जमींदारी या इस्तमारी, या विश्वेदारी या सूर्यास्त कानून या परमानेन्ट सेटलमेंट भी कहा गया है। साल के आखिरी दिन सूर्य डूबने से पहले देना होता था, नीं तो जमीदारी को नीलाम कर दिया जाता था।

इस व्यवस्था के अन्तर्गत अब सरकार और किसान के बीच बिचौलिये के रूप में जमींदार का जन्म दे दिया गया। यह लोग 89% कर सरकार को देते थे। 11% इनके खर्च के लिए होता था। इस व्यवस्था से कृषकों की दशा दयनीय हो गयी।

- यह सर्वप्रथम बंगाल, बिहार और उड़ीसा मे लागू किया गया।
- सर जॉन शोर के सहयोग से लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 में इस व्यवस्था को लागू किया था।
- **सर जॉन शोर (1793-1798):** यह भू-राजस्व प्रशासन के बहुत बड़े जानकार थे, और उदारवादी प्रवृत्ति के थे।
- इसने तटस्थ/अहस्तक्षेप की नीति का पालन किया था।

लॉर्ड वेलेजली (1798-1805)-

- इसको बंगाल का शेर कहा जाता है।
- सहायक संधि - लॉर्ड वेलेजली को सहायक संधि के लिए याद किया जाता है।
- डुप्ले को सहायक संधि का जनक माना जाता है।
- सहायक संधि को लोकप्रिय बनाने का कार्य वेलेजली ने किया। कुछ विद्वानों के अनुसार सहायक संधि का जनक वेलेजली था।

इस संधि के अनुसार राज दरबार में एक अंग्रेज अधिकारी नियुक्त किया जाता था। एक अंग्रेजा सैन्य टुकड़ी भी नियुक्त किया जाता था। इसका खर्च उस राज्य को देना होता था। संधि मानने वाला राज्य अधिकारी के अनुमति के बिना विदेशों से संपर्क स्थापित नहीं कर सकता था। इस प्रकार संधि शर्त के अनुसार आंतरिक एवं बाह्य नीति (विदेश नीति) पर पूर्ण नियंत्रण हो गया।

- सहायक संधि पर सर्वप्रथम 1798 में हैदराबाद के निजाम ने हस्ताक्षर किया था।

Ranjeet Yadav Sir

☞ 1799 में तंजौर, 1801 अवध, 1802 में पेशवा ने हस्ताक्षर किया। इसने सिविल-सेवा में प्रशिक्षण के लिए कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना किया, लेकिन बोर्ड ऑफ डायेरक्टर के ओदश पर इस कॉलेज को बंद कर दिया गया।

लॉर्ड कार्नवालिस (1805):

☞ यह प्रथम गवर्नर जनरल था, जिसकों दूबारा भारत बुलाया गया था।

☞ यह प्रथम गवर्नर जनरल है, जिसकी मृत्यु भारत में हुई।

सर जॉर्ज बार्लो (1805-1807):

☞ इसके समय में 1806 में मद्रांस के समीप वेल्लौर नामक स्थान पर सैनिको ने विद्रोह कर दिया। माथे पर पगड़ी और तिलक लगाना तथा कानों मे कुडंल नही धारण करने के लिए सैनिकों ने विद्रोह किया था। इस विद्रोह को लॉर्ड विलियम बेटिक ने कुचल दिया।

☞ इसके समय मे भारत में सर्वप्रथम सैनिक विद्रोह हुआ।

लॉर्ड मिण्टो -I (1807-1813):

☞ इसके समय में 1813 का अधिनियम लागू हुआ, जिसका मुख्य प्रावधान निम्नलिखित है-

☞ इस अधिनियम के द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त किया गया। लेकिन चीन के साथ व्यापार और चाय का व्यपार अभी भी कम्पनी ही कर सकती थी।

☞ इस अधिनियम के द्वारा पहली बार शिक्षा पर खर्च के लिए लाख रूपये का प्रावधान किया गया।

☞ इस अधिनिय के द्वारा पहली बार कानूनी रूप से इसाई धर्म प्रचारकों को भारत आने की अनुमति मिली।

इसके समय में 1809 में अमृतसर की संधि हुआ और इसने मेलकम को अपना राजदूत बनाकर भारत भेजा था।

लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-1823)

☞ इसके समय में प्रथम आंग्ल-नेपाल युद्ध (1814-1816) हुआ था, जिसमें नेपाल पराजित हुआ। सुगौली की संधि के द्वारा यह युद्ध समाप्त हुआ। बुटावल पर अधिकार को लेकर यह युद्ध हुआ था। संधि शर्त के अनुसार सिक्किम, तराई का क्षेत्र और कुबाऊ गढ़वाल का क्षेत्र अंग्रेजों की मिला, लेकिन सर्वाधिक लाभ नेपाली लोगों को अपनी सेना में शामिल करना था।

☞ इसको पिण्डारियों का दमन का श्रेय और मराठों का दमन का श्रेय दिया जाता है।

भारत के गवर्नर जनरल (1833-1857)

☞ 1833 के अधिनियम के द्वारा बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया, क्योबि अब ईस्ट इंडिया कम्पनी का क्षेत्र बहुत अधिक विस्तार हो गया था।

Ranjeet Yadav Sir

लार्ड विलियम बेंटिक (1828-1833):

☞ यह अब तक के गवर्नर जनरल में सबसे महत्वपूर्ण था। इसने सभी क्षेत्रों में कार्य को संपन्न किया था। जैसे–

☞ **प्रशासनिक कार्य:**

☞ यह भारत का प्रथम गवर्नर जनरल था।

इसने हस्तक्षेप और अहस्तक्षेप दोनो नीति का पालन किया था। यह 1828-1833 तक बंगाल का गवर्नर जनरल रहा और 1833-1835 तक भारत का गवर्नर जनरल रहा। इसने गारो और खाली को ब्रिटिश साम्राज्य मे मिला लिया, लेकिन जोधपुर, कोटा और बुंदी के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं किया।

☞ **सामाजिक कार्य:**

☞ इस क्षेत्र में बेंटिक ने सबसे महत्वपूर्ण कार्य किया था जैसे–

☞ इसने 1829 में अनुच्छेद 17 का प्रयोग करते हुए सती प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया।

यह कानुन सर्वप्रथम बंगाल में लागू किया गया, लेकिन 1830 में बंबई और मद्रास प्रेसेडेसी में लागू कर दिया गया।

☞ सती प्रथा को प्रतिबंधित कराने मे भारत के तरफ से सबसे महत्वपूर्ण भूमिका राजा राम मोहन राय ने निभाया था।

इसने 1830 में कानून बनाकर बाल हत्या को गैर–कानूनी घोषित किया। राजपूत समाज में पुत्री के जन्म होने पर उसकी हत्या कर दिया जाता था।

☞ बेंटिक ने कर्नल स्लीमैन के सहयोग से ठगी प्रथा का अंत कर दिया।

☞ **न्यायिक कार्य:**

☞ इसने कर्नवालिस द्वारा स्थापित अपीलीय न्यायालय को समाप्त कर दिया और संपूर्ण अधिकार जिलाधिकारी को सौप दिया। इसने 1835 में लार्ड मैकाले की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। मैकाले के रिपोर्ट के अनुसार सभी न्यायालयों में फारसी भाषा के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषा के प्रयोग की अनुमति दे दिया गया।

☞ **शिक्षा संबंधी कार्य:**

☞ इस समय शिक्षा को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था। कुछ विद्वान प्राच्य शिक्षा प्राचीन शिक्षा और कुछ पाश्चात्य शिक्षा के समर्थक थे। प्राच्य शिक्षा में भारतीयों के साथ–साथ अंग्रेजों जेम्स प्रिंसेप और विल्सन ने भी विश्वास किया था। ट्रैवलियन, मैकाले और एलिफिंस्टन ने अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन किया।

☞ भारतीयों में राजाराम मोहन राय ने अंग्रेजी शिक्षा/पाश्चात्य शिक्षा का समर्थन किया था।

Ranjeet Yadav Sir

बेंटिक ने लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया, जिसके रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा में सुधार किया गया।

- निसयंदन का सिद्धांत
- इस सिद्धांत के अन्तर्गत मैकाले ने यह प्रस्ताव दिया कि उच्च वर्ग के लोगों को शिक्षा दिया जाए और उनसे छन कर शिक्षा निम्न वर्ग के लोगों के पास पहुच जायेगा।
- लॉर्ड मैकाले के रिपोर्ट के आधार पर 1835 ई. में अग्रेजी भाषा को शिक्षा का माध्यम बना दिया गया।
- 1835 ई. में ही भारत मे सर्वप्रथम कलकत्ता में मेडिकल कॉलेज की स्थापना किया गया।

चार्ल्स मेटकॉफ (1835-1836):

- यह भारत के संदर्भ में थोड़ा उदारवादी माना गया है इसने 1835 ई भारतीय प्रेस पर से प्रतिबंध को हटा दिया गया दिया और सवतंत्रता प्रदान किया।
- चार्ल्स मेटकॉफ को भारतीय प्रेस का मुक्ति दाता कहा जाता है।

भारत के लोब खुश होकर कलकत्ता में इसके नाम पर मेटकॉफ हॉल का निर्माण कराया। इसने मुगलकालीन सिक्का को प्रतिबंधित किया और ईस्ट इण्डिया कम्पनी के नाम से सिक्का को जारी किया।

लॉर्ड ऑकलैण्ड (1836-1842)

- इसके समय में रंजीत सिंह, शाहशुजा और अंग्रेजो के बीच त्रिदलीय संधि हुआ था।
- **ऐलनबरो (1842-1844)**
- इसके समय में प्रथम आंग्ल अफगान युद्ध समाप्त हुआ और 1843 में सिंध का विलय कर लिया गया।
- सिंध विलय का श्रेय चार्ल्स नेपियर को दिया जाता है।
- 1844 में इसने कानून बनाकर दास प्रथा को समाप्त कर दिया।
- **लॉर्ड हार्डिग-I (1844-1848):**
- इसके समय में प्रथम आंग्ल-सिख (1845-46) युद्ध हुआ था, जिसमें अंग्रेज विजयी रहें। इसने 1844 में कानून बनाकर नर-बलि प्रथा को समाप्त किया।
- नर बलि प्रथा खोण्ड नामक जनजाति में प्रचलित था।

लॉर्ड डलहौजी (1848-1856)

- अब तक के गवर्नर जनरल या आनेवाला वायसराय मे सबसे अधिक साम्राज्यवादी प्रवृत्ति का व्यक्ति लॉर्ड डलहौजी था। इसके कायी का वर्णन निम्नलिखित है-

Ranjeet Yadav Sir

☞ **प्रशासनिक कार्य**–

इसने प्रशासन के क्षेत्र में कई कार्य संपन्न किया था जैसे–

☞ इसी के समय में II आंग्ल–सिख युद्ध हुआ था। 1849 में पंजाब को भी बिटिश साम्राज्य में मिला लिया।

☞ विलय का सिंद्धांत– लार्ड डलहौजी की सबसे अधिक आलोचना विलय के सिद्धांत के लिए किया जाता है, जिसे गोद लेने वाले प्रथा का निषेध या राज्य अपहरण नीति/व्यपगत की नीति/राज्यालय नीति doctrin of laps कहा गया है।

इस नीति के अन्तर्गत अगर किसी राज्य के पास अपना वास्तविक पुत्र नहीं था उसको राज्य से वंचित कर दिया गया और ब्रिटिश साम्राज्य मे उस राज्य को मिला लिया गया।

☞ सर्वप्रथम सतारा को विलय सिद्धांत के अन्तर्गत मिलाया गया।

1849 में जैतपुर औरी संभल, 1850 में बघाट, 1852 मे उदयपुर, 1853 झाँसी, 1854 में नागपुर को मिला लिया गया।

☞ 1856 में कुशासन का आरोप लगाकर ब्रिटिश साम्राज्य में अवध को मिला लिया ।

☞ सार्वजनिक कार्य– इसने 1853 मे लोकसेवा विभाग की स्थापना किया था। इसने 1853 में भारत में सर्वप्रथम टेलीग्राम सेवा शुरू किया था।

☞ भारत में सर्वप्रथम कलकत्ता से आगरा के बीच टेलीग्राफ सेवा की शुरूआत किया गया।

☞ इसने टेलीग्राफ सेवा विभाग की स्थापना कलकत्ता में किया और औशेधनेसी को इसका अध्यक्ष बनाया।

☞ इसे भारत में डाक सेवा का जनक भी माना जाता है।

डाक विभाग अधिनियम के द्वारा 2 पैसे की दर पर पत्र को भेजने की व्यवस्था किया गया।

☞ डलहौजी डाक टिकट का जनक भी भारत मे माजा जाता है। इसने कराची से डाक टिकट के प्रचलन का शुभांरभ किया।

☞ भारत में लॉर्ड डलहौजी रेलवे का जनक माना जाता है।

☞ भारत मे सर्वप्रथम 1853 में बम्बई से थाने के बीच 34 किमी. की दूरी तक यह रेल चलाया गया।

भारत में मद्रास में रेलवे परिचालन को सर्वप्रथम शुरू करना था, लेकिन यह महाराष्ट्र में शुरू हुआ। इसने सिंधु, सुल्तान और कावेरी नामक तीन इंजन का प्रयोग किया गया था और इस रेल का नाम Black Beaauty था।

☞ इसने 1854 मे सर्वाजनिक निर्माण विभाग की स्थापना भी किया।

☞ वाणिज्य व्यापार– इसने वाणिज्य व्यापार के विकास के लिए कॉराची, बम्बई के बन्दरगाह को आध

Ranjeet Yadav Sir

ुनिकीकरण करके व्यापार के लिए खोल दिया इसी के समय में गंगा नहर और सोन नहर को सिंचाई व्यवस्था के लिए खोल दिया गया।

- ☞ शिक्षा संबंधी कार्य– इसने लॉर्ड मैकाले की रिपोर्ट की समीक्षा के लिए 1854 में चार्ल्स वुड की अध्यक्षता मे एक शिक्षा आयोग का गठन किया। इसने अपनी रिपोर्ट में उच्च शिक्षा का प्राथमिकता दिया।
- ☞ वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का मेग्नाकार्टा कहा गया है।
- ☞ 1853 का अधिनियम–1853 के अधिनियम के द्वारा भारत में सर्वप्रथम प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्ति की व्यवस्था किया गया।
- ☞ विश्व मे सर्वप्रथम चीन मे प्रतियोगिता परीक्षा की शुरूआत हुआ था।
- ☞ आधुनिक काल में प्रशा मे सर्वप्रथम प्रतियोगिता परीक्षा का प्रारंभ हुआ था।

भारत के वायसराय:

- ☞ 1858 के अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को अब वायसराय बना दिया गया, जिन लोगो का संक्षिप्त वर्णन निम्नलिखित है–

लॉर्ड कैनिग (1856-1862)

- ☞ यह भारत का प्रथम वायसराय था।
- ☞ इसके समय में 1857 का विद्रोह हुआ।
- ☞ 1857 के विद्रोह के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लॉर्ड पामर्स्टन थे।
- ☞ इसके समय में 1856 में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।
- ☞ विधवा पून विवाह के लिए भारतीयों मे सबसे अधिक काय्र ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने किया था।
- ☞ इनके समय मे वुड डिस्पैच के आधार पर विश्वविद्यालय शिक्षा को अधिक महत्व दिया गया। साथ ही कानून के क्षेत्र मे लॉर्ड मैकाले के रिपोर्ट के आधार पर 1861 में भारतीय कानुन संहिता (कोड) को लागू किया गया।
- ☞ 1857 में इसके समय मे तीनो प्रेसीडेसी में जैसे - बंगाल, बंबई, और मद्रास में एक एक विश्वविद्यालय की स्थापना किया गया।
- ☞ इसके समय में 1862 में तीनों प्रेसीडेसी अर्थात् कलकत्ता, बम्बई और मद्रास में एक एक उच्च न्यायालय को स्थापित किया गया।
- ☞ 1858 का अधिनियम:
- ☞ 1857 के विद्रोह के बाद अधिनियम लाया गया जिसके मुख्य प्रावधान निम्नलिखित है–
- ☞ इस अधिनियम के द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन को समाप्त कर दिया गया और संपूर्ण

Ranjeet Yadav Sir

ब्रिटिश संसद या ब्रिटिश क्राउन को दे दिया गया।

☞ इस अधिनियम के द्वारा भारत मंत्री या भारत सचिव का पद बनाया गया, जो ब्रिटिश संसद का सदस्य होता था और भारत की संपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेवारी इसी को दे दिया गया। इसकी सहायता के लिए 15 सदस्यों की भारतीय परिषद् का गठन किया गया। इसमें सात कंपनी के और आठ ब्रिटिश सरकार के सदस्य होते थे।

☞ भारत का प्रथम सचिव/भारतीय मंत्री लॉर्ड स्टेनले था।

इस अधिनियम के द्वारा भारतीय सैनिकों की संख्या को कम किया गया। गोरखा और पठानों ने साथ दिया था तो इनकी संख्या बढ़ाया गया। आधुनिकतम हथियार भारतीय सैनिको से वापस ले लिय गया।

☞ इसी अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को भारत का वायसराय कहा गया।

☞ लॉर्ड कैनिग ने महारानी विक्टोरिया के अध्यादेश/राजकीय पत्र को इलाहाबाद में पढ़कर सुनाया था, जिसमें गोरे और काले के भेद-भाव को प्रतिबंधित किया था।

एंल्गिन प्रथम (1862-1863) -

☞ इसके समय में बहावी आंदोलन का केन्द्र गढ़मलकर को पूर्ण रूप से ध्वस्त कर दिया गया।

सर जॉन लॉरेंस (1863-1869) -

☞ इसके समय मे उड़ीस और बुंदेलखंड में अकाल पड़ गया। परिणामस्वरूप रिचर्ड कैपबेल की अध्यक्षता में राहत दिलाने के लिए अकाल आयोग का गठन किया गया।

☞ इसके समय मे 1865 में भारत और यूरोप के बीच टेलीग्राफ सेवा शुरू हुआ।

इसके समय में स्वेजनहर का निर्माण पूरा हुआ था और इसने लॉर्ड डलहौजी के समान G.T. Road का पूनर्निमाण कराया था।

लॉर्ड मेया (1869-1872)

☞ इसने कृषि के क्षेत्र में सुधार के लिए कलकत्ता में 1872 में कृषि विभाग की स्थापना किया। इसी के समय में भारत में सर्वप्रथम वित्त व्यवस्था मे सुधार किया गया।

☞ 1872 मे इसके समय मे भारत मे सर्वप्रथम जनगणना का कार्य शुरू हुआ।

इसने राजघराने के सदस्यों के लिए अजमेंर मे मेयो कालेज का निर्माण कराया था। यह कैदियों की दशा को सुधारना चाहता था। इसी क्रम में अंडमान निकोबार के सेल्यूलर जेल में निरीक्षण कर रहा था, तब शेर अली नामक अफगानी ने इसकी हत्या कर दिया।

☞ यह प्रथम वायसराय है, जिनकी हत्या भारत मे कर दिया गया।

लॉर्ड नार्थबुक (1872-1876)

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ इसके समय में अफगान की समस्या एक बार पुनः सामने दिखाई पड़ने लगा, जिसमें यह उग्र नीति का समर्थक था। इसके समय मे बंगाल में अकाल पड़ गया। बर्मा से चावल मंगाकर राहत कार्य संपन्न कराने का प्रयास किया गया। लेकिन यह प्रयास बहुत ही कम था।
- ☞ इसके समय 1872 में बाबा रामसिंह ने पंजाब में कूका आंदोलन को चलाया था।
- ☞ इसके समय में 1875 में स्थायी दयानंद सरस्वती ने बंबई में आर्य समाज की स्थापना किया था।
- ☞ इसके समय में सर सैय्यद अहमद खाँ ने 1875 में अलीगढ़ आंदोलन को संचालित किया था।

  यह अफगान नीति के विरोध में इस्तीफा देकर वापस चला गया।

लॉर्ड लिटन (1876-1880)

- ☞ यह साहित्य के क्षेत्र मे लेखक के रूप मे उच्च कोटिका विद्वान था। सम्पूर्ण वायसराय में इसके जैसा निबंध लेखक कोई नहीं था। इसे मेरिडिथ ओवन कहा गया। इसने जो भी कार्य किया वह भारत और भारतीयों के विरूद्ध था जैसे-
- ☞ भारतीय राजपद अधिनियम (1876): इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को सम्मानित करना था।
- ☞ इस अधिनियम के द्वारा भारत में पहली बार महारानी विक्टोरिया के सम्मान में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया।
- ☞ महारानी विक्टोरिया को कैसर-ए-हिन्द की उपाधि से 1877 में सम्मानित किया गया।
- ☞ **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट**- (भारतीय भाषा समाचार पत्र अधिनियम-1876) इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य भारत में क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र को प्रतिबंधित करना था। जबकि अंग्रजी भाषा के समाचार पत्र पर यह लागू नहीं था।
- ☞ इस अधिनियम को लॉर्ड लिट्न ने लागू किया और लॉर्ड रिपन ने हटा दिया।
- ☞ यह अधिनियम सोमप्रकाश को लक्ष्य में रखकर लाया गया था।
- ☞ सोपप्रकाश के संपादक ईश्वरचन्द्र विद्यासागर थे। यह बंगाली भाषा में कलकत्ता से प्रकाशित होता था।
- ☞ अमृत बाजार पत्रिका ने इस अधिनियम से बचने के लिए बंगाली भाषा से अपने को अंग्रेजी भाषा में परिवर्तित कर लिया।

  अमृत बाजार पत्रिका कलकत्ता से प्रकाशित होता था, जिसके संपादक मोती लाल घोष और शिशिर कुमार घोष थे।
- ☞ भारत का पहला समाचार पत्र का नाम बंगाल गजट है, जिसके संपादक जेम्स आगस्टस हिक्की थे। यह अंग्रेजी भाषा में कलकत्ता से प्रकाशित होता था।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ भारत का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उर्दन्तमार्तण्ड है, जिसके संपादक पंडित जुगल किशोर शर्मा थे।
- ☞ भारतीय शस्त्र अधिनियम (1878)- इस अधिनियम के द्वारा बिना लाइसेस लिए हथियार नहीं रखा जा सकता था। पकड़े जाने पर 3 साल का कैद या आर्थिक जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता था। हथियार को छुपाने पर 7 साल की सजा या आर्थिक जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता था। यह अधिनियम अंग्रेज और एंग्लों-इण्डयन पर लागू नहीं होता था।
- ☞ भारतयी नागरिक सेवा अधिनियम (1878-1879)- इस अधिनियम का उद्देश्य भारतीयों को सिविल सेवा में जाने से रोकना था। इस अधिनियम के द्वारा आयु को घटाकर 21 वर्ष से 19 वर्ष कर दिया गया।
- ☞ सत्येन्द्र नाथ टैगोर प्रथम भारतीय थे, जो सिविल सेवा में पास किये थे और दूसरे व्यक्ति का नाम सुरेन्द्र नाथ बनर्जी है।

लॉर्ड रिपन (1880-1884)

- ☞ लिट्न के बाद यह भारत के वायसराय बने और सभी क्षेत्र में अच्छा कार्य किया इसलिए भारतीयों ने इनको सज्जन रिपन कहा है। Flowrance Nightangle ने रिपन को भारत का उद्धारक कहा है।
- ☞ 1881 मे इसने प्रथम फैक्ट्री एक्ट को लागू किया, जो बाल श्रमिकों को ध्यान में रखकर लाया गया था।
- ☞ 1881 में इसी के समय में भारत में सर्वप्रथम विविधव रूप से या दसवर्षीय जनगणना की शुरूआत हुआ।
- ☞ 1882 मे इसने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को समाप्त कर दिया।
- ☞ रिपन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य 1882 में स्थानीय स्वशासन को जन्म देना था।
- ☞ भारत में मद्रास में सर्वप्रथम नगरपालिका की स्थापना किया गया था।।

वुड डिस्पैच के समीक्षा के लिए 1882 में विलियम हंटर की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग का गठन किया गया और इसी के आधार पर शिक्षा की व्यवस्था किया गया था।

- ☞ हंटर आयोग के रिपोर्ट के आधार पर भारत मे पहली बार प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान दिया गया।
- ☞ रिपन ने सिविल सेवा में आयु सीमा को 19 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दिया।
- ☞ इल्बर्ट विधेयक(1882)- रिपन ने इस विधेयक को कानून का रूप दिया जिसके अन्तर्गत अब भारतीय जज भी अंग्रेज जजों के समान अंग्रेजों के मुकदमों की सुनवाई कर सकते थे। परिणामस्वरूप अंग्रेजों ने इसका विरोध शुरू कर दिया, जिसे इतिहास में श्वेत विद्रोह कहा गया है। लॉर्ड रिपन इल्बर्ट विधेयक के विरोध में इस्तीफा देकर वापस चले गये।

Ranjeet Yadav Sir

लॉर्ड डफरिन (1884-1888)

☞ 1885 मे इसके सयम मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुआ। इसने महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए महिला डफरिन फंड की स्थापना किया।

लॉर्ड लेंसडाउन (1888-1894):

☞ इसने स्वीकृत अवस्था विधेयक पारित किया जो बाल विवाह से संबंधित था। इस अधिनियम के द्वारा लड़कियों के विवाह की आयु को बढ़ाकर 10 वर्ष से 12 वर्ष कर दिया।

☞ इसने मार्टिमर ड्यूरेण्ड को सीमा के निर्धारण के लिए भेजा था जिसके नाम पर ड्यूरेण्ड सीमा नाम रख दिया गया। यह वर्तमान में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच निर्धारित है। लेकिन उस समय भारत और अफगानिस्तान के बीच निर्धारित था।

☞ 1893 मे इसी के समय स्वामी विवेकानंद शिकागो धर्म सम्मेलन/संसद में भाग लेने के लिए अमेरिका गये थे।

लॉर्ड एल्गिन -II (1894-1999)

☞ इसका प्रसिद्ध कथन ''भारत को तलवार के बल पर जीता गया है और तलवार के बल पर ही नियंत्रण रखा जायेगा।''

इसके समय में भारत में क्रांतिकारी आंदोलन की शुरूआत हुआ और तिलक को 18 माह की जेल की सजा सुनाया गया।

लॉर्ड कर्जन (1899-1905)

☞ लॉर्ड कर्जन का काल मंडल, आयोग और भूल के लिए याद किया जाता है। कांग्रेस के बारे में इसका प्रसिद्ध कथन – ''कांग्रेस अब लड़खड़ा रही है और मै अपने कार्यकाल के दौरान इसके मरते हुए देखना चाहता हूँ।

लॉर्ड कर्जन ने सभी क्षेत्रों में कार्य संपन्न किया था, जिसका संक्षिप्त वर्णन निम्नलिखित है–

☞ इसने 1899-1900 के बीच अकाल से राहत दिलाने के लिए सर एंटिनी मैकडोनाल्ड की अध्यक्षता में अकाल आयोग का गठन किया।

☞ 1900 ई. में पंजाब भूमि अलगाव अधिनियम पंजाब प्रांत में भूमि स्वामित्व के हस्तांतरण को सीमित करने उद्देश्य से लागू किया गया।

☞ इसने कृषि के विकास के लिए 1901 ई. में सर स्कॉट कॉलिन मैनक्रीफ की अध्यक्षता में सिंचाई आयोग का गठन किया। इसने 1902 ई. में सर टॉमस रेले की अध्यक्षता में एक शिक्षा आयोग का गठन किया, जिसके रिपोर्ट के आधार पर 1904 में विश्वविद्यालय अधिनियम का पारित किया गया और शिक्षा पर विश्वविद्यालय का नियंत्रण स्थापति कर दिया गया।

Ranjeet Yadav Sir

☞ 1902 मे एण्ड् फ्रेजर की अध्यक्षता में पुलिस आयोग का गठन किया तथा केंन्दीय गुप्तचर विभाग की स्थापना किया।

☞ इसने 1904 में भारतीय उधार सहकारी अधिनियम को पारित किया, जिसके आधार पर कम ब्याज लेकर ऋण देने की व्यवसथा किया गया।

Ranjeet Yadav Sir